शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

अभ्यास प्रश्न–पत्र

सत्र: 2024–25

कक्षा : XII

विषय: हिंदी ऐच्छिक (002)

अवधि: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

<u>सामान्य निर्देश</u>:–

- **इस प्रश्न–पत्र में तीन खंड हैं – खंड– क, ख और ग।**
- **दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
- **तीनों खंडों के कुल 13 प्रश्न हैं। तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।**
- **यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।**

प्रश्न सं.	खंड 'क' (अपठित बोध)	अंक
प्रश्न 1.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** भारत में स्थापित अधिकांश योजनाएं समाज की मूलभूत आवश्यकताओं से कटी हुई हैं, क्योंकि इन्हें तैयार करने वाले आधुनिक शिक्षा–व्यवस्था के कारण ग्रामीण परंपराओं से अपरिचित रहे। जन से कटे रहने के कारण अधिकांश योजनाएं विफल सिद्ध हुईं। इसका मूल कारण रहा कि इन योजनाओं को तैयार तो भारत में किया गया है, पर इनके पीछे सोच और क्रियान्वयन पश्चिम आधारित रहा, इसलिए ये अधिकांश समाज से कटी रहीं। हमने नदियों के जल को पानी या विद्युत स्रोत मान कर उनका दोहन किया। नदियों को प्रदूषण का केंद्र बना डाला, वह भी तब जब इस देश में राजा भगीरथ की कथा जनश्रुतियों में मौजूद है। पर यह केवल श्रुतियों तक सीमित रह गई, जिसका नुकसान हम सब देख रहे हैं। अब समय आ गया है कि हम अपनी प्रकृति और पर्यावरण के महत्त्व को समझें। इस महत्त्व के प्रसार में हमारी लोक भाषाओं का बहुत बड़ा योगदान है। हम अपनी मिट्टी, भाषा, संस्कृति से अभिन्न रूप से जुड़े हुए हैं। इस देश की मूल प्रकृति की रक्षा के लिए जनभाषाओं को अपनाया जाना बेहद आवश्यक है। इससे जहां हम अपने समाज, संस्कृति, परंपरा की रक्षा कर सकते हैं वहीं देश के लोकतांत्रिक पर्यावरण को भी मजबूती दे सकते हैं। लोकभाषाएँ इस देश की जीवतंता के लिए आवश्यक हैं, क्योंकि वे गुण, भाव से समावेशी, सर्वग्राही हैं, जो प्रकृति और भारतीयता का मूल तत्त्व है। समाज के सशक्तीकरण के लिए, राष्ट्रीय कार्य–व्यवहार में हिंदी और देशी भाषाओं को दृढ़तापूर्वक अपनाने का संकल्प लेना जरूरी है, ताकि लोक के माध्यम से पर्यावरण के प्रति सुषुप्त पड़ चुकी चेतना को जागृत किया जा सके। जो भारतीय भावधारा पृथ्वी को मातृभूमि और अपने आप को उसका पुत्र समझने की चिंतन को व्याख्यायित करती है। वह अगर भौतिकवाद की अंधी दौड़ में सब कुछ भूल–सी गई है, तो यह समाज के लिए चिंतनीय के साथ ही भावी पीढ़ी के लिए भी एक भयावह संकेत है। जबकि हमारी भावधारा तो एक छोटे से तृण के प्रति भी उदार रही है। दूब को पूजने वाला समाज क्यों एक वट वृक्ष के सूख जाने, कट जाने या नया रोपित करने के प्रति उदार नहीं होता। पर्यावरण के प्रति मूल चिंता के लिए भारतीय भावधारा की उसी चेतना के प्रति जागृत होने, करने की आवश्यकता है। 'माता भूमि: पुत्रो अहं पृथिव्या:' पर्यावरण रक्षा का मूल संकल्प हो, तो सब सार्थक और समृद्ध हो जाए।	(10 अंक)

(I)	भारत में अधिकांश योजनाओं के विफल रहने के निम्न कारण रहे – (I) सरकारों की इच्छाशक्ति में कमी (II) सोच और क्रियान्वयन का पश्चिम आधारित होना (III) ग्रामीण परंपराओं से कटे रहना उपर्युक्त कथनों में से कौन–सा/कौन–से सही है/ हैं? (क) I और II (ख) II और III (ग) I और III (घ) I,II और III	**1**
(II)	पर्यावरण के प्रति सुषुप्त पड़ चुकी चेतना को कैसे जागृत किया जा सकता है ? (क) लोकभाषाओं को संरक्षित कर (ख) पश्चिमी सोच और विकास का अनुसरण कर (ग) धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन कर (घ) विज्ञापनों द्वारा प्रचार–प्रसार कर	**1**
(III)	भारतीय भावधारा की विशेषता है– (क) पृथ्वी को माता और स्वयं को उसका पुत्र मानना (ख) ग्रामीण परंपराओं से अपरिचित रहना (ग) भौतिकता से परिपूर्ण जीवन शैली (घ) प्रकृति और संस्कृति में अलगाव	**1**
(IV)	जनश्रुति के अनुसार राजा भागीरथ किस नदी को स्वर्ग से धरती पर लाए?	**1**
(V)	भारत जैसे देश के लिए लोकभाषाएँ क्यों आवश्यक हैं?	**2**
(VI)	दूब को पूजने वाला समाज क्यों एक वट वृक्ष के सूख जाने, कट जाने या नया रोपित करने के प्रति उदार नहीं होता?	**2**
(VII)	राष्ट्रीय कार्य–व्यवहार में हिंदी और देशी भाषाओं को दृढ़तापूर्वक अपनाने का संकल्प लेना क्यों जरूरी है?	**2**
प्रश्न 2.	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** मत रोक मुझे भयभीत न करे, मैं सदा कटीली राह चला। पथ–पथ मेरे पतझरों में नव सुरभि भरा मधुमास पला। फिर कहाँ डरा पाएगा यह पगले! जर्जर संसार मुझे। इन लहरों के टकराने पर, आता रह–रह कर प्यार मुझे। मैं हूँ अपने मन का राजा, इस पार रहूँ उस पार चलें। मैं मस्त खिलाड़ी हैं ऐसी जी चाहे जीतू हार चलें।। मैं हूँ अनाथ, अविराम अथक, बंधन मुझको स्वीकार नहीं। मैं नहीं अरे ऐसा राही, जो बेबस–सा मने मारे चलें।। कब रोक सकी मुझको चितवन, मदमाते कजरारे घन की। कब लुभा सकी मुझको बरबस, मधु–मस्त फुहारें सावन की।	**(08 अंक)**

	जो मचल उठे अनजाने ही अरमान नहीं मेरे ऐसे – राहों को समझा लेता हूँ सब बात सदा अपने मन की। इन उठती–गिरती लहरों को कर लेने दो श्रृंगार मुझे। इन लहरों के टकराने पर आता रह–रह कर प्यार मुझे ॥	
(I)	इस कविता के केन्द्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए– कथन– (I) व्यक्ति स्वातन्त्र्य की चेतना का प्रतिपादन (II) कवि की समष्टि चेतना की अभिव्यक्ति (III) प्रकृति का बिम्बात्मक चित्रण (IV) सांसारिक और सामाजिक बंधनों का पोषण विकल्प– (क) कथन (I) और (IV) सही हैं। (ख) कथन (II) और (IV) सही हैं। (ग) कथन (I) और (III) सही हैं। (घ) कथन (I), (II) और (III) सही हैं।	**1**
(II)	निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए – कथन (A): कवि ने स्वयं को अनाथ, अविराम, अथक तथा बंधन मुक्त कहा है। कारण (R): सांसारिक मोह–माया और बंधन प्रायः लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग में बाधा उत्पन्न करते हैं। (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है। (ख) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है। (ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।	**1**
(III)	'जो मचल उठे अनजाने ही अरमान नहीं मेरे ऐसे' कवि ने ऐसा क्यों कहा है? (क) अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण (ख) सौंदर्य के प्रति सरलता से मुग्ध होने के कारण (ग) मन की चंचलता के कारण (क) आसानी से हार स्वीकार करने के कारण	**1**
(IV)	जीवन की बाधाओं को कवि किस रुप में देखता है?	**1**
(V)	कवि ने संसार को जर्जर क्यों कहा है?	**2**
(VI)	कवि को क्या स्वीकार नहीं है और क्यों?	**2**
	खंड 'ख' (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर)	**(22 अंक)**
प्रश्न 3.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**	
(I)	किसी घटना के बारे में प्रत्यक्षदर्शियों या सम्बन्धित व्यक्तियों का कथन दिखाकर और सुनाकर समाचारों को प्रामाणिकता प्रदान करने के लिए किसका प्रयोग किया जाता है?	**1**

(II)	फ्रीलांसर किसे कहते हैं ?	**2**
(III)	फीचर की शैली समाचार लेखन की शैली से किस प्रकार भिन्न होती है ?	**2**
प्रश्न 4. **(I)** **(II)** **(III)**	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए–** जनसंचार माध्यमों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। विशेष रिपोर्ट और इनके प्रकारों को स्पष्ट कीजिए। पत्रकारीय लेखन की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।	**3X2=6**
प्रश्न 5.	**निम्न में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए–** (I) जलवायु परिवर्तन (II) आत्मनिर्भर व्यक्ति (III) अंत भला तो सब भला	**5X1=5**
प्रश्न 6. **(I)** **(II)** **(III)**	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए–** 'कविता हमें जीने की कला सिखाती है।' स्पष्ट कीजिए। कविता में बिंब विधान का महत्व बताइए। नाटककार एक सफल सम्पादक होना चाहिए? स्पष्ट कीजिए।	**3X2=6**
	खंड 'ग' (अंतरा भाग–2, अंतराल भाग–2 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)	**(40 अंक)**
प्रश्न 7.	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उचित विकल्प का चयन कीजिए –** यह मधु है–स्वयं काल की मौना का युग–संचय, यह गोरस–जीवन–कामधेनु का अमृत–पूत पय, यह अंकुर–फोड़ धरा को रवि को तंकता निर्भय, यह प्रकृत, स्वयंभू, ब्रह्म, अयुतः इसको भी शक्ति को दे दो। यह दीप, अकेला, स्नेह भरा। है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो।	**1X5=5**
(I)	काव्यांश में व्यक्ति के अस्तित्व की तुलना किससे की गई है? (क) कामधेनु से (ख) दीपक से (ग) धरती से (घ) सूरज से	
(II)	व्यक्ति की सार्थकता किससे जुड़ने में है? (क) सांसारिक सुखों से (ख) समाज से (ग) ब्रह्म ज्ञान से (घ) स्वयं से	
(III)	दीपक का निर्भीकता के साथ सूर्य की ओर ताकना क्या इंगित करता है? (क) दीपक का आत्मविश्वास और सर्वगुण संपन्न होना	

	(ख) स्वयं को सूर्य से अधिक शक्तिशाली मानना (ग) सर्वदा सुखद जीवन व्यतीत करने की इच्छा (घ) समाज को चुनौती देना	
(IV)	काव्यांश के अनुसार वास्तविक शक्ति किसमें निहित है? (क) समाज में (ख) व्यक्ति में (ग) सूरज में (घ) धरती में	
(V)	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए– (I) दीपक अकेला, स्नेह पूर्ण के साथ–साथ अहंभाव से युक्त है। (II) समाज के साथ अन्तरंग सम्बन्ध स्थापित होने पर हो व्यक्ति शक्ति–सम्पन्न बनेगा। (III) दीपक वह पर्वत है जो धरती को फोड़कर निर्भीकता से सूर्य की ओर ताक रहा है। इन कथनों में कौन सा/से कथन सत्य है/हैं? (क) केवल (I) (ख) केवल (II) (ग) (I) और (II) (घ) (I), (II) तथा (III)	
प्रश्न 8. **(I)** **(II)** **(III)**	**निम्न में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए–** 'कार्नेलिया का गीत' भारत की सांस्कृतिक गौरवगाथा का गीत है। पठित गीत के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 'कत बिदगध जन रस अनुमोदए अनुभव काहुन पेख' के द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं? 'विद्यापति के पद' के आधार पर उत्तर लिखिए। निराला ने पुत्री सरोज के विवाह को 'आमूल नवल' क्यों कहा है ? इसके पीछे निराला का कौन–सा भाव छिपा है?	**2X2=4**
प्रश्न 9.	**निम्नलिखित में से <u>किसी एक काव्यांश</u> की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –** और यह कैलेंडर से मालूम था अमुक दिन अमुक बार मदनमहीने की होवेगी पंचमी दफ्तर में छुट्टी थी यह था प्रमाण और कविताएँ पढ़ते रहने से यह पता था कि दहर–दहर दहकेंगे कहीं ढाक के जंगल आम बौर आवेंगे रंग–रस–गंध से लदे–फंदे दूर के विदेश के वे नन्दन–वन होवेंगे यशस्वी मधुमस्त पिक भौंर आदि अपना–अपना कृतित्व अभ्यास करके दिखावेंगे।	**6X1=6**

DoE, Delhi

	यही नहीं जाना था कि आज के नगण्य दिन जानूँगा जैसे मैंने जाना, कि वसन्त आया। **अथवा** पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े। नीरज नयन नेह जल बाढ़े।। कहब मोर मुनिनाथ निबाहा। एहि ते अधिक कहौं मैं काहा।। मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ। अपराधिहु पर कोह न काऊ।। मो पर कृपा सनेहु बिसेखी। खेलत खुनिस न कबहूँ देखी।। सिसुपन तें परिहरेउँ न संगू। कबहुँन कीन्ह मोर मन भंगू।। मैं प्रभु कृपा रीति जिय जोही। हारेहु खेल जितावहिं मोही।। महूँ। सनेह सकोच बस सनमुख कहीं न बैन। दरसन तृपित न आजु लगि पेम पिआसे नैन।।	
प्रश्न 10.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उचित विकल्प का चयन कीजिए –** एक मिल मालिक के दिमाग में अजीब–अजीब खयाल आया करते थे जैसे सारा संसार मिल हो जाएगा, सारे लोग मजदूर और वह उनका मालिक या मिल में और चीजों की तरह आदमी भी बनने लगेंगे, तब मजदूरी भी नहीं देनी पड़ेगी, वगैरा–वगैरा । एक दिन उसके दिमाग में खयाल आया कि अगर मजदूरों के चार हाथ हों तो काम कितनी तेजी से हो और मुनाफा कितना ज्यादा। लेकिन यह काम करेगा कौन? उसने सोचा, वैज्ञानिक करेंगे, ये हैं किस मर्ज की दवा? उसने यह काम करने के लिए बड़े वैज्ञानिकों को मोटी तनख्वाहों पर नौकर रखा और वे नौकर हो गए। कई साल तक शोध और प्रयोग करने के बाद वैज्ञानिकों ने कहा कि ऐसा असंभव है कि आदमी के चार हाथ हो जाएँ। मिल मालिक वैज्ञानिकों से नाराज हो गया। उसने उन्हें नौकरी से निकाल दिया और अपने आप इस काम को पूरा करने के लिए जुट गया।	**1X5=5**
(I)	प्रस्तुत गद्यांश के अनुसार मिल मालिक किस वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है? (क) पूंजीपति वर्ग (ख) सर्वहारा वर्ग (ग) शोषित वर्ग (घ) मजदूर वर्ग	
(II)	"अगर मजदूरों के चार हाथ हों तो काम कितनी तेजी से हो और मुनाफा कितना ज्यादा" कथन का आशय है– (क) लागत में वृद्धि और उत्पादन में कमी (ख) उत्पादन में वृद्धि और लागत में कमी (ग) जनसंख्या और बेरोजगारी में कमी (घ) रोजगार और उत्पादन में कमी	
(III)	मिल मालिक ने वैज्ञानिकों को नौकरी से क्यों निकाल दिया? (क) उन्होंने मिल मालिक की योजना को साकार कर दिया था। (ख) उन्होंने मिल मालिक की योजना को असंभव बता दिया था। (ग) उन्होंने मिल मालिक की योजना के बारे में पता नहीं चल पाया था। (घ) उन्होंने मिल मालिक के विरुद्ध हड़ताल का ऐलान कर दिया था।	
(IV)	प्रस्तुत गद्यांश में वैज्ञानिक समाज के किस वर्ग से संबंधित हैं ? (क) उच्च वर्ग	

DoE, Delhi

	(ख) मध्य वर्ग (ग) निम्न वर्ग (घ) अति निम्न वर्ग	
(V)	कथन (A) : मिल मालिक ने मोटी तनख्वाहों पर बड़े वैज्ञानिकों को नौकर रखा। कारण (R) : मिल मालिक वैज्ञानिकों की आर्थिक सहायता करना चाहता था। (क) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है। (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं। (घ) कथन (A) सही है तथा कारण (R) गलत है।	
प्रश्न 11. **(I)** **(II)** **(III)**	**निम्न में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए–** बालक द्वारा किताब की जगह 'लड्डू' की माँग करना उसके किस स्वभाव और प्रवृत्तियों का उल्लेख करता है? औद्योगीकरण ने पर्यावरण को कैसे प्रभावित किया है? 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। "इस पुरातत्व की दृष्टि में प्रेम और कुतूहल का अद्भुत मिश्रण रहता था।" यह कथन किसके संदर्भ में कहा गया है और क्यों ? स्पष्ट कीजिए।	**2X2=4**
प्रश्न 12.	**निम्नलिखित में से <u>किसी एक गद्यांश</u> की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –** धर्म के दस लक्षण वह सुना गया, नौ रसों के उदाहरण दे गया। पानी के चार डिग्री के नीचे शीतता में फैल जाने के कारण और उससे मछलियों की प्राणरक्षा को समझा गया, चंद्रग्रहण का वैज्ञानिक समाधान दे गया, अभाव को पदार्थ मानने न मानने का शास्त्रार्थ कह गया और इग्लैंड के राजा आठवें हेनरी की स्त्रियों के नाम और पेशवाओं का कुर्सीनामा सुना गया। यह पूछा गया कि तू क्या करेगा। बालक ने सीखा सिखाया उत्तर दिया कि मैं यावज्जन्म लोकसेवा करूँगा। सभा वाह–वाह करती सुन रही थी, पिता का हृदय उल्लास से भर रहा था। **अथवा** बलिहारी है इस मादक शोभा की। चारों ओर कुपित यमराज के दारुण निःश्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से भी अधिक कठोर पाषाण की कारा में रुद्ध अज्ञात जलस्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है और मूर्ख के मस्तिष्क से भी अधिक सूने गिरि कांतार में भी ऐसा मस्त बना है कि ईर्ष्या होती है। कितनी कठिन जीवनी–शक्ति है। प्राण ही प्राण को पुलकित करता है, जीवनी–शक्ति ही जीवनी शक्ति को प्रेरणा देती है।	**6X1=6**
प्रश्न 13.	**निम्न में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए–**	**5X2=10**
(I) **(II)** **(III)**	'सूरदास' प्रतिशोध का नहीं बल्कि पुनर्निर्माण का ही दूसरा नाम है।' 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ को दृष्टि में रखते हुए सरदास की चारित्रिक विशेषताओं को लिखिए। 'संगीत, गंध, बच्चे – बिसनाथ के लिए सबसे बड़े सेतु हैं, काल, इतिहास को पार करने के।' प्रस्तुत कथन के आधार पर बताये कि गंध के संबंध से बिसनाथ किस तरह जुड़ा हआ है? विकास की औद्योगिक सभ्यता उजाड़ की अपसभ्यता है। खाऊ–उजाड़ सभ्यता के सन्दर्भ में हो रहे पर्यावरण के विनाश पर प्रकाश डालिए।	